परिशिष्ट–III

1. हिन्दी (HINDI)

इस प्रश्न पत्र में झारखण्ड विद्यालय परीक्षा समिति के दसवी कक्षा के स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिन्दी में अपने भावों को स्पष्टतः एवं शुद्ध–शुद्ध रुप में व्यक्त करने की क्षमता और सहज बोधशक्ति की जाँच की जायेगी।

अंकों का वितरण निम्न प्रकार होगा :–

निबंध – 30 अंक, व्याकरण – 30 अंक, वाक्य विन्यास – 25 अंक,
संक्षेपण – 15 अंक।

सामान्य अध्ययन (GENERAL STUDIES)

सामान्य अध्ययन के प्रश्न–पत्र "1" और प्रश्न–पत्र "2" के भाग के निम्नलिखित पत्र होंगेः–

पत्र – 1 (Paper – 1)

1. भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति (Modern History of India and Indian Culture)
2. राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का वर्त्तमान घटना चक्र (Current events of National and International importance).
3. सांख्यकी विश्लेषण, आरेखन और चित्रण (Statistical analysis graphs and diagrams).

पत्र – 2 (Paper – 2)

1. भारतीय राज्य व्यवस्था (Indian Polity).
2. भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत का भूगोल (Indian Economy and Geography of India).
3. भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव (The role and impact of science and technology in the development of India).

पत्र – 1 (Paper – 1)

आधुनिक भारत (तथा झारखण्ड के विशेष संदर्भ में) के इतिहास और भारतीय संस्कृति अन्तर्गत लगभग उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य भाग से लेकर देश के इतिहास की रुपरेखा से संबंधित प्रश्न सम्मिलित होंगे। झारखण्ड के आधुनिक इतिहास के संदर्भ में प्रश्न इस क्षेत्र में पाश्चात्य शिक्षा (प्रौद्योगिकी शिक्षा समेत) के आंरभ और विकास से पूछे जाएँगे। इसमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में झाखण्ड की भूमिका संबंधित प्रश्न रहेंगे। ये प्रश्न मुख्यतः संथाल विद्रोह, बिरसा का आन्दोलन से पूछे जाएँगे। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे मौर्य काल तथा पाल काल की और सचित्र निरुपण से संबंधित विषयों में सांख्यिकीय आरेखन या चित्रात्मक रुप से प्रस्तुत सामग्री का जानकारी के आधार पर सहज बुद्धि का प्रयोग करते हुए कुछ निष्कर्ष निकालना और उसमें पाई गई कमियों, सीमाओं और असंगतियों का निरुपण करने की क्षमता की परीक्षा होगी।

पत्र – 2 (Paper – 2)

भारतीय राज्य व्यवस्था से संबंधित खण्ड में भारत की (तथा झारखण्ड की) राजनीतिक व्यवस्था से संबंधित प्रश्न होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत तथा झारखण्ड के भूगोल से संबंधित खण्ड में भारत की योजना और भारत के भौतिक, आर्थिक और सामाजिक भूगोल से संबंधित प्रश्न पूछे जाएँगे। भारत के विषय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व और प्रभाव से संबंधित, तीसरे खण्ड में ऐसे प्रश्न पूछे जाएँगे जो भारत तथा झारखण्ड में विज्ञान और आद्यौगिकी के महत्व के बारे में उम्मीदवार की जानकारी की परीक्षा करें। इनमें प्रायोगिक पक्ष पर बल दिया जायेगा।

मनोविज्ञान (Psychology)

पत्र – 1 (Paper – 1)

मनोविज्ञान के आधार (Foundation of Psychology)

1. मनोविज्ञान का विषय क्षेत्र (The Scope of Psychology) – सामाजिक और व्यवहारिक विज्ञान के परिवार में मनोविज्ञान का स्थान।
2. मनोविज्ञान की पद्धतियाँ (Methods of Psychology)- मनोविज्ञान की प्रणालीतंत्रीय समस्याएँ मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का सामान्य, अभिकल्प। मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के प्रकार, मनोवैज्ञानिक मापन की विशेषताएँ।
3. मानव व्यवहार की प्रकृति, उद्‌गम और विकास (The nature origin and development of human behaviour)- आनुवंशिकता तथा पर्यावरण, सांस्कृतिक कारक तथा व्यवहार समाजीकरण की प्रक्रिया, राष्ट्रीय चरित्र की संकल्पना।
4. संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ (Cognitive Processess)- प्रत्यक्ष ज्ञान, प्रत्यक्ष ज्ञान के सिद्धांत, प्रत्यक्ष ज्ञान संगठन, व्यक्ति प्रत्यक्ष प्रात्यज्ञिक रक्षा, प्रत्यक्षन ज्ञान का कार्यात्मक उपागम, प्रत्यक्ष ज्ञान तथा व्यक्तित्व, आकृति अनुप्रभाव, प्रत्यक्ष ज्ञान शैली प्रात्यक्षिक अपसामान्य, सतर्कता।
5. अधिगम (Learning) – संज्ञानात्मक, क्रिया प्रसूत तथा क्लासिकल अनुकूलन उपागम, अधिगम परिघटना विलोप, विभेद और सामान्यकरण, विभेद अभिगत, प्राथमिकता अधिगम, प्रागामिक अधिगम।
6. स्मरण (Remembering) – स्मरण के सिद्धांत अल्पकालिक स्मृति, दीर्घकालिक स्मृति, स्मृति का मापन, विस्मरण, संस्मृति।
7. चिन्तन (Thinking)– समस्या समाधान, संकल्पना, निर्माण, संकल्पना निर्माण का रचना कौशल, सूचना प्रक्रिया, सर्गनात्मक चिन्तन, अभिसारी तथा उपासारी चिन्तन, बालकों में चिन्तन के विकास के सिद्धांत।
8. बुद्धि (Intelligence)– बुद्धि की प्रकृति, बुद्धि का मापन, सृजनात्मकता का मापन, अभिक्षमता का मापन, सामाजिक बुद्धि की संकल्पता।
9. अभिप्रेरण (Motivation)- अभिप्रेरित व्यवहार की विशेषताएँ, अभिप्रेरण के उपागम, मनोविश्लेशी सिद्धांत, अन्तर्नोद सिद्धांत, आवश्यकता अभिक्रम सिद्धांत, संदेश कर्षण शक्ति उपागम, अकांक्षा स्तर की संकल्पना, अभिप्रेरण के मापन, विरक्त तथा विमुख व्यष्टि, प्रेरक।
10. व्यक्तित्व (Personility)– व्यक्तित्व की संकल्पना, विशेषक और प्रकार उपागम कारकीय तथा आयामीय उपागम, व्यक्तित्व के सिद्धांत फ्राड, अलपोर्ट मूरे, केटल, सामाजिक अभिगम सिद्धांत तथा क्षेत्र सिद्धांत, व्यक्तित्व के भारतीय उपागम गुणों की संकल्पना, व्यक्तित्व मापन, प्रश्नवली निर्धारण मापनी, मनोविज्ञान परीक्षण, प्रक्षेमी परीक्षण प्रेक्षण प्रणाली।
11. भाषा और संप्रेषण (Langauge and Communication) – भाषा का मनोवैज्ञानिक आधार, भाषा विकास के सिद्धांत स्किनर और चमिस्को, अव्शाश्दिक, सम्प्रेषण, कार्यभाष प्रभावी संप्रेषण स्त्रोत और ग्रहीता की विशेषताएँ, अनुभवी संप्रेषण।

12. अभिवृत्तियाँ और मूल्य (Attitudes and Values) – अभिवृत्तियों की संरचना, अभिवृत्तियों की बनावट, अभिवृत्तियों के सिद्धांत, अभिवृतिय मापन, अभिवृत्ति मापनी के प्रकार, अभिवृत्त परिवर्तनक का सिद्धांत, मूल्य, मूल्यों के प्रकार, मूल्यों के अभिप्रेरणीय गुणनर्म, मूल्यों का मापन।
13. अभिनव प्रवृत्तियाँ (Recent Trends) – मनोविज्ञान और कम्प्युटर, व्यवस्कर का संतात्रिकी मॉडल, मनोविज्ञान में अनुरुपता अध्ययन, चेतना का अध्ययन, चेतना की परिवर्त्तित स्थितियाँ, निद्रा, स्वप्न, ध्यान और सम्मोहन आत्माविस्मृति, मादक द्रव्य उत्प्रेरित परिवर्त्तन संवेदन वंचन, विमानन और अंतरिक्ष उड़ान में मानव समस्याएँ।
14. मानव के मॉडल (Models of Man) – यांत्रिक मानव, जैविक मानक, संगठनात्मक मानव मानवतावादी मानव, व्यवहार परिवर्त्तन के विभिन्न प्रतिरुपों के निहितार्थ, एक एकीकृत प्रतिरुप।

पत्र – 2 (Paper – 2)

मनोविज्ञान विचार– विषय और अनुप्रयोग (Phychology : Issues and Applications)

1. व्यक्तिगत विभिन्नताएँ (Individual Difference)– व्यक्तिगत विभिन्नताओं का मापन, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रकार, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का निर्माण, अच्छे मनौवैज्ञानिक परीक्षण की विशेषताएँ, मनोवैज्ञानिक परीक्षण की सीमाएँ।
2. मनोवैज्ञानिक विकार (Psychological Approaches) – विकारों का वर्गीकरण तथा रोग वर्गीकरण प्रणालियाँ, तांत्रिका, तापीय, मनस्तापी और मनोदैहिक विकास, मनोविकृत व्यक्तित्व, मनोवैज्ञानिक विकारों के सिद्धांत, चिन्ता अवसाद तथा खिंचाव की समस्या।
3. चिकित्सात्मक उपागम (Therapeutic Approaches) – मनोगतिक उपागम, व्यवहार चिकित्सा, रोग केन्द्रिक चिकित्सा, संज्ञानात्मक चिकित्सा, समूह चिकित्सा।
4. संगठनात्मक तथा औद्योगिक समस्याओं में मनोविज्ञान का अनुप्रयोग वैयक्तिक चयन, प्रशिक्षण, कार्य अभिप्रेरण, सिद्धांत कृत्य अभिकल्पन, नेतृत्व प्रशिक्षण, सदभागी प्रबंध।
5. लघु समूह (Small Groups)- लघु समूह के संकल्पना, समूह के गुणधर्म, कार्यरत समूह, समूह व्यवहार के सिद्धांत, समूह व्यवहार की मापक अन्तक्रिया प्रक्रिया विश्लेषण, अन्तव्यक्ति सम्बंध।
6. सामाजिक परिवर्त्तन (Social Change)– समाज परिवर्त्तन की विशेषताएँ, परिवर्त्तन में मनोवैज्ञानिक आधार परिवर्त्तन प्रतिरोध प्रतिरोधिक कारक प्रतिवर्त्तन प्रायोजन परिवर्त्तन प्रवणता की संकल्पना।
7. मनोविज्ञान तथा अधिगम प्रक्रिया (Psychology and the Learning Process) – शिक्षार्थी समाजीकरण के कर्त्ता के रुप में विद्यालय, अधिगम स्थितियों में किशोरों से संबंधित प्रतिभाशाली और संदित बालक तथा उनके प्रशिक्षण से संबंधित समस्याएँ।
8. सुविधावंचित समूह (Disadvantage groups) – प्रकार : सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सुविधावंचन के मनावैज्ञानिक फल वंचन की संकल्पना, सुविधावंचित समूहों की शिक्षा, सुविधा वंचित समूहों के अभिप्रेरण की समस्याएँ।
9. मनोविज्ञान तथा सामाजिक एकीकरण की समस्या (Pshchology and the problem of Social Intergration)- सजातीय पुर्वग्रह की समस्या, पुर्वग्रह की प्रकृति, पूर्वग्रह की

अभिव्यक्ति, पूर्वग्रह का विकास, पूर्वग्रह का मापन, पूर्वग्रह का सुधार, पूर्वग्रह और व्यक्तित्व, सामाजिक एकीकरण के उपाय।

10. मनोविज्ञान तथा आर्थिक विकास (Psychology and Economic Developments) — उपलब्धि अभिप्रेरण की प्रकृति, उपलब्धि अभिप्रेरण, उद्यमशीलनता संवर्द्धन उद्यमशीलनता संरक्षण प्रौद्योगिकीय परिवर्त्तन तथा मानवीय व्यवहार पर इसका प्रभाव।
11. सूचना का प्रबंध और संरचन (Management of Information and Communication) - सूचना प्रबंध में मनोवैज्ञानिक कारक, सूचना अतिभार, प्रभावी संचरण के मनोवैज्ञानिक आधार जन संचार और सामाजिक मे उनकी भूमिका दूरदर्शन का प्रभाव, प्रभावी विज्ञापन का मनोवैज्ञानिक आधार।
12. समकालीन समाज की समस्याएँ (Problems of Contemporary Society) — खिंचाव, खिचांव का प्रबंध, मद्यव्यसनता तथा मादक द्रव्य व्यसन सामाजिक विसामान्य, किशोर अपचार अपराध विसामान्य का पुनः स्थापन वयोदृद्धों की समस्याएँ।

समाजशास्त्र (SOCIOLOGY)

पत्र – 1 (Paper – 1)

सामान्य समाजशास्त्र (General Sociology)

1. सामाजिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन (Scientific Study of Social Phenomena) –समाजशास्त्र का आविर्भाव, अन्य शिक्षा शाखाओं से इसका संबंध, उनका क्षेत्र विस्तार एवं संबंधी धारणायें विज्ञान और सामाजिक व्यवहार का अध्यन यथार्थता, विश्वसनीयता एवं समस्याएँ। वैज्ञानिक विधि एवं भाषा, उनका अर्थ उद्देश्य प्रकार तत्व एवं विशेषताएँ। सामाजिक अनुसंधान संरचना, तथ्य संकलन एवं तथ्य विश्लेषण की विधियाँ अभिवृत्ति मापन समस्याएँ एवं तकनीकि शैली (स्केल्स) : आर0 एम0 मेकाइवर की कार्य कारण अवधारणा।
2. समाजशास्त्र के क्षेत्र में पथ–प्रदर्शक (Pioneering Contributions to Sociology) योगदान–सैद्धान्तिक प्रारंभ एवं विकासवाद के सिद्धांत– कॉम्ट, स्पेन्सर तथा मॉर्गनः ऐतिहासिक समाजशात्र– कार्ल मार्क्स, मैक्स बेबर एवं पी0ए0, सरोकिन : प्रकार्यवाद– ई0 दुरखेम, पैरेटो, पार्सन्स एवं मर्टन। संघर्षवादी सिद्धांत : गुमलोविज, डहरेनहार्फ एवं कोबर, समाजशास्त्र के आधुनिक विचारधाराएँ। सम्पूर्णालक एवं अल्पार्थक समाजशास्त्र, मध्यम स्तरीय सिद्धांत, विनिमय सिद्धांत।
3. सामाजिक संरचना एवं सामाजिक संगठन (Social Structure and Social Organization)–अवधारणा एवं प्रकार, सामाजिक संरचना संबंधित विचारधाराएँ, संरचना प्रकार्यवादी मार्क्सवादी सिद्धांत, सामाजिक संरचना के तत्व, व्यक्ति एवं समाज, सामाजिक अन्तः क्रिया, सामाजिक समूह–अवधारणाएँ एवं प्रकार, सामाजिक स्तर एवं भूमिका, उनके निर्धारक एवं प्रकार, सरल समाजों में भूमिका के विभिन्न परिमाण, भूमिका संघर्ष, सामाजिक जाल, अवधारणा एवं प्रकार संस्कृति एवं व्यक्तित्व अनुरूपता एवं सामाजिक नियंत्रण की अवधारणा। सामाजिक नियंत्रण के साधन, अल्पसंख्यक समूह बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक संबंध।
4. सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता (Social Stratification and Mobility)- सामाजिक स्तरीकरण के अवधारणा, प्रभाव एवं प्रकार, असमानता एवं स्तरीकरण, स्तरीकरण के आधार एवं परिमाण, स्तरीकरण संबंधी विचारधाराएँ, प्रकार्यवाद एवं संघर्षवाद विचारधाराएँ, सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता, संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण, गतिशीलता के प्रकार अन्तर्पिढ़ी गतिशीलता, उदग्र गतिशीलता बनाम क्षैतिज गतिशीलता, गतिशीलता के प्रतिरूप।
5. परिवार, विवाह एवं नातेदारी (Family marriage and Kinship)–संरचना, प्रकार्य एवं प्रकार, समाजिक परिवर्तन एवं आयु एवं स्त्री–पुरुष भूमिकाओं में परिर्वतन, विवाह, परिवार एवं नातेदारी में परिवर्तन, प्राद्योगिक समाज में परिवार का महत्व।
6. औपचारिक संगठन (Formal Organizations)–औपचारिक तथा अनऔपचारिक संगठनों के तत्व, नौकरशाही प्रकार्य अकार्य एवं विशेषताएँ नौकरशाही एवं राजनैतिक विकास, समाजिकरण एवं राजनैतिक सहभगिता, सहभागिता के विभिन्न रूप सहभागिता के लोकतंत्रिक तथा सत्तात्मक स्वरूप, स्वैच्छिक मण्डली।

7. आर्थिक प्रणाली (Economic System)–सम्पत्ति की अवधारणाएँ, श्रम विभाजन के समाजिक प्रतिमाण, विनिमय के विभिन्न प्रकार, पूर्व औद्योगिक एवं औद्योगिक अर्थ व्यवस्था के अर्थ–व्यवस्था का सामाजिक पक्ष, औद्योगिकरण तथा राजनीतिक, शैक्षिक, धार्मिक, पारिवारिक एवं स्तरविन्यासी क्षेत्रों में परिवर्त्तन, आर्थिक विकास के निर्धारक तत्व एवं उनके परिणाम।
8. राजनीतिक व्यवस्था –राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा, तत्व प्रकार, राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत संस्थाएँ, व्यक्ति समूह, राजनीतिक संगठनों, राजनीतिक दल एवं अन्य साधनों के संदर्भ में राजनीतिक प्रक्रियाएँ, शक्ति प्राधिकार एवं वैधता की अवधारणाएँ, आधार एवं प्रकार, राज्यविहीन समाज की परिकल्पना राजनीतिक सामाजिककरण बनाम राजनीतिक भागीदारी : राज्य की विशेषताएँः प्रजातंत्रात्मक एवं सत्तात्मक राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत सम्भ्रान्त वर्ग एवं जनसमूह की शक्ति, राजनीतिक दल एवं मतदान, नायकत्व, प्रजातांत्रिक व्यवस्था एवं प्रजातांत्रिक स्थिरता।
9. शैक्षिक प्रणाली (Educational System) – शिक्षा की अवधारणा के उद्देश्य, शिक्षा पर प्रकृतिवाद, आदर्शवाद एवं पाण्डित्यवाद के प्रभाव : समाज, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, प्रजातंत्र व्यवस्था एवं राष्ट्रवाद के संदर्भ में शिक्षा का महत्त्व, शिक्षा के नये झुकाव, शिक्षा एवं सामाजिककरण में विभिन्न साधन–परिवार विद्यालय, समाज राज्य एवं धर्म की भूमिका। जनसंख्या शिक्षा–अवधारणा एवं तत्त्व। सांस्कृतिक पुनर्जन्म, सैद्धान्तिक मतारोपन, सामाजिक स्तरीकरण, गतिशीलता एवं आधुनिकीकरण के साधन के रूप में शिक्षा की भूमिका।
10. धर्म (Religion)–धार्मिक तथ्य, पावन एवं अपावन की अवधारणाएँ, धर्म का सामाजिक प्रकार्य एवं अकार्य, जादू–टोना धर्म एवं विज्ञान, धर्मनिरपेक्षीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन।
11. सामाजिक परिवर्त्तन के विकास (Social Change and Development)– सामाजिक परिवर्त्तन के आर्थिक जैविक एवं प्राद्यौगिक कारक, सामाजिक परिवर्त्तन के विकासवादी, प्रकार्यवाद एवं संधर्षवाद सिद्धांत, सामाजिक परिवर्त्तन, आधुनिकीकरण एवं उन्नति प्रजातंत्रीकरण, समानता एवं सामाजिक न्याय : सामाजिक पुनर्निर्माण।

पत्र – 2 (Paper – 2)

भारतीय समाज (Society of India)

1. भारतीय समाज (Indian Society)–पारम्परिक हिन्दु सामाजिक संगठन की विशेषताएँ; विभिन्न समय के समाजिक सांस्कृतिक परिवर्त्तन; भारतीय समाज पर बौद्ध, इस्लाम तथा आधुनिक पश्चिम का प्रभाव। निरन्तरता और परिवर्त्तन के कारक तत्व।
2. सामाजिक स्तरीकरण (Social Stratification)–जाति व्यवस्था एवं इसके रूपान्तरण, जाति के संदर्भ में आर्थिक संरचनात्मक एवं सांस्कृतिक मत; जातिप्रथा की उत्पत्ति, हिन्दू एवं गैर हिन्दु जातियों में असमानता एवं सामाजिक न्याय की समस्याएँ। जाति गतिशीलता

जातिवाद, पिछड़ी जाति बनाम पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अस्पृश्यता, अनुसचित जातियों में परिवर्त्तन, अस्पृश्यता का उन्मूलन; औद्योगिक एवं कृषि प्रधान समाज की संरचना; मंडल कमीशन एवं सुरक्षा नीति के अन्तर्गत झारखण्ड के अन्तर्जातीय सम्बन्धों के बदलते झुकाव।

3. परिवार विवाह एवं नातेदारी (Family Marriage and Kinship) –संगोत्रता व्यवस्था में क्षेत्रीय विविधता एवं उनके सामाजिक सांस्कृतिक सह संबंध, संगोत्रता के बदलते पहलू, संयुक्त परिवार प्रणाली, इसका संरचनात्मक एवं व्यवहारिक पक्ष, इसके बदलते रूप एवं विघटन, विभिन्न नृजातिक समूहों आर्थिक एवं जाति वर्गों में विवाह, भविष्य में उनके बदलते प्रकृति, परिवार एवं विवाह पर कानून तथा सामाजिक–आर्थिक परिर्वत्तनों के बढ़ते पीढ़ि, अन्तराल एवं युवा असंतोष, महिलाओं की बदलती स्थिति, महिला एवं सामाजिक विकास। झारखण्ड में अन्तर्जातीय विवाह–कारण एवं परिणाम।
4. आर्थिक प्रणाली (Economic System)–जजमानी व्यवस्था एवं पारम्परिक समाज पर उसका प्रभाव बाजार, अर्थव्यवस्था और उसके सामाजिक परिणाम, व्यवसायिक विविधिकरण एवं सामाजिक संरचना, व्यवसायिक मजदूर संध, आर्थिक विकास के सामाजिक निर्धारक तथा उनके परिणाम, आर्थिक असमानताएँ, शोषण और भ्रष्टाचार, झारखण्ड के आर्थिक पिछड़ापन के कारण, झारखण्ड के आर्थिक विकास की सम्भाव्यता, झारखण्ड के संदर्भ में आर्थिक वृद्धि एवं सामाजिक विकास के सह संबंध।
5. राजनीतिक व्यवस्था (Political System)–पारम्परिक समाज में प्रजातांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक दल एवं उनकी सामाजिक संरचना, राजनीतिक सम्भ्रान्त वर्ग को उत्पत्ति एवं उनका सामाजिक लगाव, शक्ति का विकेन्द्रीकरण, राजनीतिक भागीदारी, झारखण्ड में मतदान का स्वरूप, झारखण्ड के मतदान प्रणाली में जाति समुदाय एवं आर्थिक कारकों की अनुरूपता, इसके बदलते आयाम, भारतीय नौकरशाही का प्रकार्य, अकार्य एवं विशेषता, भारत में नौकरशाही एवं राजनीतिक विकास, जनप्रभुसत्ता समाज, भारत में जन आन्दोलन के सामाजिक एवं राजनीतिक स्त्रोंत।
6. शिक्षा व्यवस्था (Educational System)– पारम्परिक एवं आधुनिक के संदर्भ में समाज एवं शिक्षा, शैक्षणिक असमानताएँ एवं परिवर्त्तन, शिक्षा एवं सामाजिक गतिशीलता, महिलाओं के शिक्षा की समस्याएँ पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जातियों, झारखण्ड में शैक्षणिक पिछड़ेपन के कारण, झारखण्ड में अनियोजित रूप से पनपते संस्थानों के प्रकार्य एवं अकार्य पक्ष। झारखण्ड में उच्च शिक्षा की समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ, नई शिक्षा नीतियाँ, जन शिक्षा।
7. धर्म (Religion)–जनसंख्यात्मक परिमाण, भौगोलिक वितरण एवं पड़ोस, प्रमुख धार्मिक समुदायों के जीवन शैली, अर्न्तधार्मिक अन्तः कियाएँ एवं धर्मपरिवर्त्तन के रूप में इनका प्रकाशन, अल्पसंख्यक के स्तर, संचार एवं धर्मनिरपेक्षता, भारत के जाति व्यवस्था पर विभिन्न धार्मिक आंदोलनों – बौद्ध, जैन, ईसाई, इस्लाम, ब्रह्मसमाज एवं आर्य समाज के आंदोलनों के प्रभाव, झारखण्ड में पश्चिमीकरण एवं आधुनिकरण, संयुक्तक एवं अलगाव संबंधी कारक, भारतीय सामाजिक संगठन पर धर्म एवं राजनीति के बढ़ते अन्तःक्रिया का प्रभाव।

8. जनजाति समाज (Tribal Societies)–भारत के प्रमुख जनजातीय समुदाय, उनकी विशिष्ट विशेषताएँ, जनजाति एवं जाति, इनका सांस्कृतिक आदान–प्रदान एवं एकीकरण, झारखण्ड की जनजातियों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याएँ, जनजाति–कल्याण के विभिन्न विचारधाराएँ, उनके संवैधानिक एवं राजकीय सुरक्षा, भारत में जनजाति आन्दोलन, तानाभगत आन्दोलन, बिरसा आन्दोलन एवं झारखण्ड आन्दोलन, जनजाति के विकास में उनका महत्वपूर्ण स्थान।
9. ग्रामीण समाज व्यवस्था एवं सामुदायिक विकास (Rural Social System and Community Development)– ग्रामीण समुदाय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम, पारम्परिक शक्ति संरचना, प्रजातांत्रकरण एवं नेतृत्व, गरीबी, ऋणाग्रस्तता एवं बंधुवा मजदूरी, भूमि सुधार के परिणाम, सामुदायिक विकास योजना कार्यक्रम तथा अन्य नियोजित विकास कार्यक्रम तथा हरित क्रांति ग्रामीण विकास की नई नीतियाँ।
10. शहरी सामाजिक संगठन (Urban Social Organization)– सामाजिक संगठन के पारम्परिक कारकों, जैसे संगोत्रता जाति और धर्म की निरन्तरता एवं उनके परिवर्तन शहर के संदर्भ में ; शहरी समुदायों में सामाजिक स्तरीयकरण एवं गतिशीलता; नृजातिक अनेकता एवं सामुदायिक एकीकरण, शहरी पड़ोसदारी, जनसांख्यिकीय एवं सामाजिक–सांस्कृतिक लक्ष्यों में शहर तथा गांव में अन्तर तथा उनके सामाजिक परिणाम।
11. जनसंख्या गतिकी (Population dynamics)- जनसंख्या वृद्धि सम्बंधित सिद्धांत–माल्थस, जैविकीय, जनसांख्यिकीय परिवर्त्तन, सर्वाधिक जनसंख्या; जनसंख्या संरचना के सामाजिक सांस्कृतिक पक्ष (लिंग, उम्र, वैवाहिक स्तर), जन्मदर, मृत्युदर एवं स्थानान्तरण के कारक, भारत में जनसंख्या नीति की आवश्यकता जनाधिक एवं अन्य निर्धारक लक्ष्य, जनाधिक्य के मानसिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक निर्धारक एवं भारत में परिवार नियोजन प्रक्रिया के अस्वीकृति में इनकी भूमिका, प्रथम से अष्टम पंचवर्षीय योजनाओं में परिवार नियोजन कार्यक्रम का स्थान। जनसंख्या शिक्षा– अवधारणा, उद्देश्य, पक्ष, साधन एवं जनसंख्या शिक्षा की यंत्रकला।
12. सामाजिक परिवर्त्तन एवं आधुनिकीकरण (Social Change and Modernisation)– भूमिका संघर्ष की समस्या, युवा असंतोष, पीढ़ियों का अन्तर, महिलाओं की बदलती स्थिति, सामाजिक परिवर्त्तन के प्रमुख स्त्रोत एवं परिवर्त्तन के प्रतिरोधी तत्वों के प्रमुख स्त्रोत, पश्चिमी का प्रभाव, सुधारवादी आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, औद्योगिकरण एवं शहरीकरण, दबाव समूह, नियोजित परिवर्त्तन के तत्व, पंचवर्षीय योजनाएँ, विधायी एवं प्रशासकीय उपाय – परिवर्त्तन की प्रक्रिया–सांस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण, आधुनिकीकरण के साधन, जनसम्पर्क साधन एवं शिक्षा, परिवर्त्तन एवं आधुनिकीकरण की समस्या, संरचनात्मक विसंगतियाँ और व्यवधान। वर्त्तमान सामाजिक दुर्गुण–भ्रष्टाचार और पक्षपात, तस्करी–कालाधन।

श्रम एवं समाज कल्याण (Labour and Social Welfare)

पत्र – 1 (Paper – 1)

श्रम विधान एवं श्रम प्रशासन

(Labour Legisiation and Labour Administration)

1. श्रम विधान के सिद्धांत – श्रम विधान के प्रकार।
2. भारत में श्रम – विधान का संक्षिप्त इतिहास।
3. भारतीय संविधान में श्रम संबंधी उपबंध।
4. निम्नलिखित श्रम–अधिनियम यथा अद्यतन यथा अद्यतन संशोधित–मुख्य उपबंध एवं नया मूल्यांकन।
   - (क) कारखाना अधिनियम, 1948
   - (ख) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 – झारखण्ड में कार्यान्वयन
   - (ग) मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936
   - (घ) समाज पारिश्रमिक अधिनियम, 1976
   - (ड़) कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923
   - (च) प्रसूति हितलाभ अधिनियम, 1961
   - (छ) कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948
   - (ज) उपादान संदाय अधिनियम, 1972
   - (झ) बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनिमय) अधिनियम, 1986
   - (ञ) बीड़ी तथा सिगार कर्मकार (नियोजन की शर्त्तें) अधिनियम, 1966
   - (ट) झारखण्ड दुकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम, 1953
5. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन–गठन–क्रियाकलाप–अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानको का सृजन भारतीय श्रम विधान पर प्रभाव।
6. झारखण्ड में श्रम प्रशासन।

पत्र–2 (Paper – 2)

औद्योगिक संबंध एवं समाज कल्याण

(Industrial Relations and Social Welfare)

1. औद्योगिक संबंध एवं श्रम संघ, भारत और झारखण्ड के संदर्भ में (Industrial Relations and Trade Unions – with Reference to India and Jharkhand) :-

(क) औद्योगिक संबंध – अवधारणा, विस्तार क्षेत्र, मुख्य पहलू।

(ख) औद्योगिक विवाद एवं हड़ताल – रुप, कारण और रोकथाम–औद्योगिक विवाद सुलझाने के विभिन्न तरीका–सामूहिक सौदेबाजी–औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947.

(ग) प्रबंध में श्रमिकों की सहभागिता– उद्देश्य, संस्थाएँ–वर्त्तमान स्थिति–भारत में विफलता के कारण।

(घ) भारत में श्रम संघ – संक्षिप्त इतिहास – प्रकार उद्देश्य एवं प्राप्ति की विधियाँ–ढ़ाँचा एवं प्रशासन–राजनैतिक लगाव एवं नेतृत्व–प्रतिद्विन्दिता एवं मान्यता की समस्या–श्रम संघ अधिनियम, 1926.

(ड़) अनुशासन संहिता एवं आचरण।

2. समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा (Social Welfare and Social Security) :-

(क) सामाजिक सुरक्षा – अर्थ–क्षेत्र प्रकृति एवं तरीके।

(ख) बेरोजगारी – अर्थ प्रकार–कारण–दूर करने के उपाय– भारत में बेरोजगारी संबंधी विशेष कार्यक्रम।

(ग) निर्धनता– अर्थ–प्रकार–मात्रा–कारण–दूर करने के उपाय–भारत एवं झारखण्ड में ग्रामीण निर्धनता, उन्मूलन संबंधी सरकार के विशेष कार्यक्रम।

(घ) बाल कल्याण – बालकों की समस्याएँ–उनके लिए कल्याण–कार्य।

(ड़) महिला कल्याण – महिलाओं की समस्याएँ–उनके लिए कल्याण–कार्य।

(च) अनुसूचित जाति एवं जनजाति एवं जनजाति कल्याण–समस्याएँ–कल्याण–कार्य।

(छ) मद्यपान निषेध – झारखण्ड में स्थिति।

(ज) वेश्यावृत्ति – प्रकृति–कारण–प्रभाव–दूर करने के उपाय।

(झ) भिक्षावृति – प्रकृति–कारण–झारखण्ड में स्थिति।

(ञ) झारखण्ड सरकार के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम–वृद्धावस्था पेंशन, अनियोजन भत्ता–समूह बीमा, बंधुआ श्रमिकों का पुनर्वासन।

DEPARTMENT OF HOME SCIENCE

Ranchi University, Ranchi - 834 008 (Jharkhand)

Ref. No. : RU/Ch/H/Sc-60-2022 Date : 05/07/22

From,

Head,

University Department of Home Science

Ranchi University, Ranchi.

To,

Rajeshwar Nath Alok

Under Secretary,

Department of Women, Child Development and Social Security

Ministry of Jharkhand,

Subject- In relation to preparation of syllabus of Home Science for direct recruitment for the post of Child Development Project Officer

Ref.- Your Letter no. 19., dated- 20 -12-2021

Sir,

In relation to your letter under reference, this is to inform you that I am herewith attaching prepared syllabus of Home Science subject in two papers (descriptive of 200 marks each) for the direct recruitment of Child Development Project Officer is under process with this letter

Thanking You.

Shipra Kumari 5-7-22

(Dr, Shipra Kumari) H.O.D.

Dept. of Home Science

Ranchi University, Ranchi

Head,

University Department of Home Science

Ranchi University, Ranchi

Home Science

Child Development ~~Programme~~ Project Officer Syllabus

Paper 1, Maximum Marks 200

FOOD AND NUTRITIO, FAMILY CONCEPT

Group A- FOODS AND NUTRITION

Basic concepts in food & nutrition and Nutrient

Basic terminologies,interrelationshipofnutrient, nutrition and health, functions of food- Physiological, psychological and social,
Nutrient'sFunctions, chemistry, dietary sources, properties and clinical manifestations of deficiency/ excess of the following:

- Energy, Carbohydrates, Lipids, Proteinsand Fiber
- Fat soluble vitamins-A, D, E and K
- Water soluble vitamins – thiamin, riboflavin, niacin, pyridoxine, folate, vitamin B12 and vitamin C
- Minerals – calcium, phosphorus, iron, zinc, sodium, copper and iodine
- Water

Methods of cooking,Food Groups&Principles of meal planning
Dry, moist, frying and microwave cooking, advantages and disadvantages, Nutrient losses, Enhancing the nutritional quality- Supplementation, Germination, Fermentation, Fortification and GM foods.Concept of balanced diet,
Structure, composition, Products, nutritional contribution, Selection and changes duringcooking of the following food groups:
Cereals, Pulses, Fruits and vegetables, Milk & milk products, Eggs, Meat, poultry and fish, Fats and Oils, Spices and herbs, Beverages
Importance and Principles of Meal Planning

- Food exchange list
- Factors affecting meal planning and food related behavior
- Methods of assessment of nutrient requirements
- Dietary guidelines and Recommended Dietary Allowances for all groups of Indian Population

Preservation techniques, principles, their applicationsand Basic food microbiology
High temperature, low temperature, removal of moisture, irradiation and additives.

- Food packaging and labeling: FSSAI, Codex
- Introduction to yeast, mold and bacteria - Characteristics and their role in preservation and spoilage of food.
- Hygiene and sanitation practices and waste disposal in relation to food processing.

Food Laws and Quality Assurance

- National and International food laws – FSSAI, BIS, AGMARK, Codex and ISO: 22000, ISO: 9000, ISO: 14000..
- Quality Assurance procedures - GMP, GHP, HACCP

Unit II: Nutrition through Lifespan/ Life cycle
Nutrition during childhood- Growth and development, growth reference/standards, RDA, nutritional guidelines, nutritional concerns, and healthy food choices.

- Infants
- Preschool children
- School children
- Adolescents
- Infant and young child feeding and care - Current feeding practices and nutritional concerns, guidelines for infant and young child feeding, Breast feeding, weaning and complementary feeding.
- Assessment and management of moderate and severe malnutrition among children, Micronutrient malnutrition among preschool children
- Child health and morbidity, neonatal, infant and child mortality, IMR and U5MR; link between mortality and malnutrition;

Nutrition during adulthood -Physiological changes, RDA, nutritional guidelines, nutritional concerns, energy balance and healthy food choices.

- Adults
- Pregnant women-Nutritional needs during pregnancy, common disorders of pregnancy (Anaemia, HIV infection, Pregnancy induced hypertension), relationship between maternal diet and birth out-come.
- Lactating mothers-Nutritional needs of nursing mothers and infants, determinants of birth weight and consequences of low birth weight, Breastfeeding biology, Breastfeeding support and counseling
- Elderly

Nutrition for special conditions- Nutrition for physical fitness, sport, floods and war.Feeding problems in children with special needs

Concept and Scope of Public Nutrition,Nutritional problems,

- Definition and multidisciplinary nature of public nutrition
- Concept and scope
- Role of public nutritionist
- Etiology, prevalence, clinical features and preventive strategies of-

- Undernutrition –Protein energy malnutrition, nutritional anaemias, vitamin A deficiency, iodine deficiency disorders
- Overnutrition – obesity, coronary heart disease, diabetes,Fluorosis

National Nutrition Policy and Programmes - Integrated Child Development Services (ICDS) Scheme, Mid day Meal Programme (MDMP), National programmes for prevention of Anaemia, Vitamin A deficiency, Iodine Deficiency Disorders. Overview of maternal and child nutrition policies and programmes.

- Human Development Indices.

Assessment of nutritional status

- Objectives and importance
- Methods of assessment

a. Direct – clinical signs, nutritional anthropometry, biochemical tests, biophysical tests
b. Indirect – Diet surveys, vital statistics

Nutrition Education &Food and Nutrition Security

- Objectives, principles and scope of nutrition and health education and promotion
- Behaviour Change Communication

Appropriate interventions involving different sectors such as Food , Health and Education

Concept, components, determinants and approaches

- Overview of Public Sector programmes for improving food and nutrition security

Group B- FAMILY RESOURCE MANAGEMENT

Introduction to Family Resource Management

- Concept, universality and scope of management
- Approaches of management

Resources

- Understanding meaning, classification and characteristics of resources, factors affecting utilization of resources.
- Maximizing use of resources and resource conservation.
- Availability and management of specific resources by an individual/ family
- Application of Management Process in:
  -Event Planning & Execution

Family, Type, Functions, role and responsibility: An overview

Home Science

Child Development Programme Officer Syllabus

Project

Paper 2, Maximum Marks 200

HUMAN DEVELOPMENT AND EXTENSION EDUCATION

Group A- Home Science Extension and Education

Communication:

- Concept and nature, Functions and types of Communication- communication transactions; Formal and informal communication; Verbal and Non-verbal Communication
- Scope of Communication- Education, training and learning industry, Motivation and Management,
- Intrapersonal Communication-Concept, types and functions of interpersonal communication, Stages in human relationship development, Small group communication: types and functions
- Organizational communication: concept, types, functions and networks

Public communication- concept and techniques

Mass Communication- concept, significance, functions and elements

Theories and models of mass communication

Relationship between culture and communication

Communication for social change

Understanding Human Communication for Extension

- Culture and communication- Signs, symbols and codes in communication, tribal Culture of Jharkhand
- Elements,Principles,Models Barriers of Communication
- Concept, nature and relevance to communication process:• Empathy • Persuasion Perception • Listening
- Concept, nature and philosophy of Extension
- Principles of Extension
- Methods and Media of community outreach; Audio-Visual aids- concept, classification, characteristics and scope.
- Relationship between, Communication, Extension and Development

Mass Media

- Communication and mainstream media- newspaper, radio, television and Cinema, ICTs and web based communication

Print Media: types, nature, characteristics, reach, access.

Radio: types, nature, characteristics, reach, access.

Television and cinema: types, nature, characteristics, reach, access.

ICTs: types, characteristics, reach and access.

Group B- HUMAN DEVELOPMENT

THE CHILDHOOD YEARS

Introduction to Human Development

- Definition, History and Interdisciplinary nature of Human Development
- Scope and importance of Human Development
- Principles of Growth and Development
- Stages and Factors affecting Development

Prenatal Development, Birth and the Neonate

- Reproductive health
- Conception, Pregnancy- sign and complications, Birth Process and types of delivery

- Stages and factors affecting Pre –Natal Development
- Capacities and care of the new born

Infancy and Preschool years

- Physical and Motor development
- Social and Emotional development
- Cognitive and Language development

Middle Childhood years

- Physical and motor Development
- Social and Emotional development
- Cognitive and Language development

DEVELOPMENT IN ADOLESCENCEAND ADULTHOOD

Introduction to Adolescence

- Developmental tasks during Adolescence
- Puberty, sexual maturity, nutrition, health, and psychological well-being
- Self and identity
- Family and peer relationships
- Adolescent interface with media

Cognitive, Language and Moral development

- Perspectives on cognitive development
- Development of intelligence and creativity
- Adolescent language
- Adolescent morality

Introduction to Adulthood

- Definitions, transition from adolescence to adulthood
- Developmental tasks of adulthood
- Physical and physiological changes from young adulthood to late adulthood
- Significance of health, nutrition, and well being

Socio-emotional and Cognitive development

- Diversity in roles and relationships
- Marriage-contemporary trends
- Parenting and grand parenting

Care and Human Development

- Definition, concepts & relevance of care
- Vulnerable periods in life that require care
- Principles & components of care

Well-being and Human Development

- Concept of well-being-- physical, psychological, spiritual
- Life crises and well-being
- Factors & experiences that promote well-being

Care & well-being at different stages of life

- Childhood years
- Adolescence
- Adulthood and old age
- Well-being of caregivers

Policies, Services & Programs

- School health programs
- Nutrition & health for all
- Counseling & yoga